इंटरपोल 'सिल्वर नोटिस'

[स्रोत: द हिंदू](#)

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि नया **इंटरपोल 'सिल्वर नोटिस'** सीमा पार अवैध संपत्तियों का पता लगाने के लिये **पारस्परिक कानूनी सहायता संधियों (MLAT) की तुलना** में अधिक प्रभावी उपकरण है।

'सिल्वर नोटिस'

- इंटरपोल ने **'सिल्वर नोटिस' को 2023** में लॉन्च किया, जो **वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के परामर्श** के बाद शुरू हुआ था। यह **वर्ष 2025 तक चलने वाले पायलट चरण** का हिस्सा है।
  - इस पहल में **भारत सहित 52 देश** शामिल हैं।
- इस पहल का उद्देश्य **अवैध गतिविधियों से जुड़ी आपराधिक संपत्तियों** की पहचान कर बरामद करना, साथ ही लूटी गई संपत्तियों, वाहनों, वित्तीय खातों और व्यापारों का पता लगाना है।
- यह सदस्य देशों को **धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी और पर्यावरण** संबंधी अपराधों से जुड़ी संपत्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

'इंटरपोल नोटिस':

- इंटरपोल नोटिस **अंतर्राष्ट्रीय अलर्ट** हैं, जो सदस्य देशों की **पुलिस को अपराध-संबंधी जानकारी** साझा करने में सक्षम बनाते हैं।
- **इंटरपोल- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) विशेष नोटिस** के अलावा **8 प्रकार के नोटिस** हैं।
- **नोटिस का अनुरोध निम्नलिखित द्वारा किया जा सकता है:**
  - किसी **सदस्य देश** का इंटरपोल राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (भारत में **भारतपोल**)।
  - संयुक्त राष्ट्र, **अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण** और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय।
- भारत ने **भारतीय अन्वेषण अभिकरण** की दक्षता बढ़ाने के लिये **'भारतपोल' पोर्टल** लॉन्च किया है।

इंटरपोल:

- **इंटरपोल** एक **वैश्विक पुलिस संगठन है** जो अपराध नियंत्रण के लिये अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुगम बनाता है।
- इसकी स्थापना **वर्ष 1923 में वियना में हुई थी, जिसका मुख्यालय ल्यों, फ्राँस** में है।
- भारत **वर्ष 1949 में इंटरपोल** का सदस्य बना।

और पढ़ें: पारस्परिक कानूनी सहायता संधि: भारत-पोलैंड, इंटरपोल की सूचनाएँ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/interpol-s-silver-notice